SHRI ABID ALI: That is what I have promised.

SHRI S. N. MAZUMDAR: Sir, the Deputy Minister has said that under the Constitution, persons cannot be prevented from going from one place to another. But is it not a fact that this system of Gorakhpur labour is in the nature of identured labour and that is why all these evils came about and this question of abolishing that system came about?

SHRI ABID ALI: It is not correct, Sir.

DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: Sir, is the hon. Minister aware that in the Penchvalley Coal Field area, where there are nearly 25,000 workers, out of which 2,000 workers are Gorakhpur workers, there are separate camps for this labour and they are not allowed to mix with any other labour? And there is one thing more, Sir, and that is this. There this labour is not as efficient as, or is even less efficient than, the ordinary labour. But the reason for bringing this labour there is to break the unity in the local labour.

SHRI ABID ALI: Sir, it is a fact that they are kept in separate camps. But as I have said earlier, they are not prevented from joining other workers there. As regards the question of efficiency or otherwise, it is a matter of opinion.

भारत और पाकिस्तान के बीच यात्रियों के लिये सीधे बुकिंग की व्यवस्था

*२४२. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत और पाकिस्तान के रेलवे स्टेशनों के बीच यात्रियों के लिये सीधे बुकिंग की व्यवस्था शुरू करने के बारे में दोनों देशों के बीच जो बातचीत चल रही थी, उसमें क्या कोई अन्तिम निर्णय हो गया;

(ख) यदि उपर्युक्त भाग (क) का उत्तर हां में हो तो उसका ब्योरा क्या है और दोनों देशों के बीच हिसाब का भुगतान किस प्रकार होगा; और

(ग) यदि उपर्युक्त भाग (क) का उत्तर ना में हो तो इस सम्बन्ध में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

†[INTRODUCTION OF THROUGH BOOKING OF PASSENGERS BETWEEN INDIA AND PAKISTAN

*242. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any final decision was reached at the negotiations held between India and Pakistan for introducing through booking of passengers between railway stations in the two countries;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, what are the details thereof and what would be the arrangement for the clearance of accounts between the two countries; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, what progress has so far been made in this connection ?]

रेल तथा परिवहन उपमंत्री (श्री ओ० वी० अलगेसन) : (क), (ख) और (ग). दोनों देशों की रेलों मे मुसाफिरो को फिर सीधे टिकट देने का सिद्धान्त तो मान लिया गया है, लेकिन इस सम्बन्ध में दूसरी छोटी-मोटी बातों पर अभी आखिरी फैसला नही हुआ है । दोनों देशों के रेलवे अफसरों की एक बैठक जल्द होने वाली है, जिसमें इन बातों पर विचार किया जायेगा ।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. ALAGESAN): (a), (b) and (c). While, no final decision has yet been reached regarding the details, it has been agreed in principle to resume through booking of passengers between the railways in the two countries. The details of the arrangements to be made will be discussed at a meeting between Railway Officers of the two countries shortly.]

श्री नवाब सिंह चौहान : छोटी-मोटी बातों का जो फैसला आपस में माना गया है उसका आधार क्या है ? कुछ बातें तो हुई होगी और उसके आधार पर यह फैसला माना गया होगा । क्या उसके बारे में मंत्री महोदय कुछ बताने की कृपा करेंगे ?

श्री लाल बहादुर : कोई खास बात तो ऐसी नहीं हुई है सिवाय इसके कि कुछ बातें हुई कि दोनों तरफ से सीधा टिकट दिया जाय लेकिन जैसा कि अभी डिप्टी मिनिस्टर साहब ने कहा

†English translation.

कि कुछ इंतजाम करना बाकी है और जिसे करना है । उम्मीद यह है कि २३ अगस्त को दोनों तरफ के रेलवे के अफसरान मिलेंगे और इसका फैसला करेंगे ।

श्री रामेश्वर अग्निभोज : जब ये थ्रू टिकट दिये जायंगे तो जो इन गाड़ियों से एक दूसरे देश में सफर करेंगे उनको वीसा या पासपोर्ट की आवश्यकता होगी अथवा नहीं ?

श्री लाल बहादुर : जरूर होगी ।

SHRI S. N. MAZUMDAR: Sir, on an earlier occasion, the Railway Minister stated that the question of through passenger traffic from Calcutta to Siliguri *via* Pakistan was under discussion, and as far as I understood, it was almost on the point of being decided. But that did not materialise. May I therefore know, Sir, what is the position about that question at present ?

SHRI LAL BAHADUR: Nothing has materialised so far. I am not quite certain whether those points will be discussed in the next meeting which is proposed to be held some time in the last week of August.

SHRI S. N. MAZUMDAR: What about the earlier reply ?

MR. CHAIRMAN: That has not materialised. Therefore it is likely to be discussed at the next meeting of this Railway Conference. Dr. Mookerji.

DR. RADHA KUMUD MOOKERJI: I have been anticipated by the previous questioner.

श्री बी० पी० अगरवाल : क्या मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जान सकता हूं कि पूर्वी बंगाल और पश्चिमी बंगाल के बीच में दो घंटे का समय जो खाली टिकटों को ही खरीदने में लग जाता है, इसके लिये क्या कोई ऐसी व्यवस्था की जा सकेगी जिससे इतने लम्बे समय तक उस बार्डर एरिया में न रुकना पड़े ?

श्री लाल बहादुर : अगर यह थ्रू टिकेट्स की बात हो जाय तो उसमें आसानी हो जायगी । वक्त में कमी करने के लिये एक चीज की गई है कि कस्टम्स में अब तक दो जगह वक्त लगता था—पाकिस्तान की बार्डर एरिया पर कस्टम्स वगैरा का काम होता था और जब हिन्दुस्तान की बार्डर एरिया आती थी तो उसमें भी कस्टम्स का काम होता था । अब एक बार्डर में अगर कस्टम्स आथारिटी ने जांच पडताल कर ली है तो उसको हम मान लेते हैं । उसी तरह से अगर हमारे कस्टम्स आथारिटी की तरफ से जांच हो गई तो पाकिस्तान सरकार उसको मान लेती है । उसकी वजह से दो ढाई घंटे की कमी हुई है ।

यूगोस्लाविया से जहाजों की खरीद

*२४३. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का इरादा यूगोस्लाविया से कुछ जहाज खरीदने का है;

(ख) यदि हां तो कितने व कितनी भार क्षमता के जहाज खरीदे जायेंगे ;

(ग) क्या इस सम्बन्ध में यूगोस्लाविया के जानकार भारत को तथा भारत के यूगोस्लाविया को आ व जा रहे हैं ; और

(घ) इस सम्बन्ध में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

†[PURCHASE OF SHIPS FROM YUGOSLAVIA

243. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government propose to purchase any ships from Yugoslavia:

(b) if so, what is the number and tonnage of the ships to be purchased;

(c) whether Indian and Yugoslav experts are visiting Yugoslavia and India respectively in this connection; and

(d) what is the progress so far made in this respect ?]

रेल तथा परिवहन उपमंत्री (श्री ओ० वी० अलगेसन) : (क) ऐसा कोई इरादा नहीं है कि केवल सरकारी खर्चे पर ही जहाज खरीदे जायें ।

(ख) सवाल ही पैदा नहीं होता ।

(ग) यूगोस्लाविया के कुछ खास जानकार अभी हाल ही में भारत आये थे । किन्तु भारतीय जानकार वहां नहीं जा रहे हैं ।

†English Translation.